



अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

विषय: "वर्तमान परिप्रेक्ष्य में तुलसी- साहित्य की प्रासंगिकता"।



बिरसा मुंडा कॉलेज के हिंदी विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय तरंग संगोष्ठी (वेबिनार)

बिरसा मुंडा कॉलेज, पोस्ट ऑफिस: हाथीघिसा, जिला: दार्जिलिंग, पिन: 734429, ईमेल आईडी: birsamundacollege@gmail.com



डॉ. बीरेंद्र मूक,
संरक्षक/अध्यक्ष/प्रान्तिय, बिरसा मुंडा कॉलेज,
पोस्ट ऑफिस - हाथीघिसा, जिला - दार्जिलिंग (प. बं.)



प्रो. पुष्पिता अहसी, विशिष्ट कक्षा/अध्यक्ष,
हिंदी यूनिवर्सिटी फाउंडेशन, नीडरलैंड



डॉ. जै. बहादुर पाथेय मुख्य कक्षा
सेना निवृत्त आयुर्वेद एवं अणुशास्त्र/हिंदी
विभाग, रांची विश्वविद्यालय, रांची (झारखंड)



प्रो. रंजण मिश्रा विशिष्ट
कक्षा/प्रोफेसर, हिंदी विभाग
, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़ (उ.प्र.)



डॉ. दिनेश कुमार गाना
बील कक्षा/प्रधानाचार्य, हिंदू इण्टर कॉलेज,
अलीगढ़ (उ.प्र.)



प्रो. डॉ. सुशील कुमार हिंदी विशिष्ट
कक्षा/विभागाध्यक्ष/हिंदी विभाग, उत्तर बंग
विश्वविद्यालय, सिलेगुड़ी (पश्चिम बंगाल)



डॉ. निर्मला शर्मा सरस्वती वंदना लेखिका,
कवित्री, असिस्टेंट प्रोफेसर, डॉमिनेंट
कॉलेज ऑफ एजुकेशन दौसा, राजस्थान



डॉ. गोविंद कुमार यादव, सहायक
प्राध्यापिका एवं सिपाना/एच.ए.सी.
विभाग, बिरसा मुंडा कॉलेज



डॉ. गोविंद कुमार यादव, एच.-सहायक/सहायक/एच.
अनुसंधान केंद्र/विभागाध्यक्ष/हिंदी विभाग, बिरसा मुंडा कॉलेज



डॉ. सुशील कुमार, भारतीय वायु-संशोधन केंद्र,
अनुसंधान केंद्र/विभागाध्यक्ष (हिंदी विभाग), बिरसा
मुंडा कॉलेज



प्रो. नागेन्द्र नारायण, ऑफिशियल,
तकनीकी संचालक, जालंधर

समय: ~ 11:00-13:30

अगस्त 14, 2021

संपर्क करे : श्री गोविंद कुमार यादव, -6294524332; प्रो नागेन्द्र नारायण - 9878571321; श्री सुशील कुमार महतो, -8101970011

“ऑनलाइन वेबिनार रिपोर्ट”

१४/०८/२०२१

बिरसा मुंडा कॉलेज, हाथीघिसा, दार्जिलिंग, पं. बंगाल: 734429, के हिंदी विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय तरंग संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विषय: "वर्तमान परिप्रेक्ष्य में तुलसी-साहित्य की प्रासंगिकता"। इस अंतर्राष्ट्रीय तरंग संगोष्ठी के मंच पर सरस्वती वंदना हेतु डॉ. निर्मला शर्मा जी, असिस्टेंट प्रोफेसर, हिंदी विभाग, डॉमिनेंट कॉलेज ऑफ एजुकेशन, दौसा, राजस्थान

से।अप्रत्यक्ष रूप से अध्यक्षता संभालते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय डॉ बीरेंद्र मृधा जी।बीज वक्ता के रूप में डॉ.दिनेश कुमार शर्मा जी,हिंदू इंटर कॉलेज,अलीगढ़ से।विशिष्ट वक्ता के रूप में पूर्व प्रो.डॉ जंग बहादुर पांडेय"तारेश" जी,रांची विश्वविद्यालय,रांची से।विशिष्ट वक्ता के रूप में प्रो.डॉ.शंभुनाथ तिवारी जी,हिंदी विभाग,अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से। प्रो.डॉ.सुनील कुमार द्विवेदी जी,विभागाध्यक्ष,हिंदी विभाग,उत्तर बंग विश्वविद्यालय,पश्चिम बंगाल से तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस मंच पर प्रो. पुष्पिता अवस्थी जी,नीदरलैंड से विराजमान थीं.

इस तरंग संगोष्ठी का आरंभ डॉ.निर्मला शर्मा जी की सुमधुर स्वर से सरस्वती वंदना प्रस्तुत करने के उपरांत हुआ। तत्पश्चात डॉ.सरिता विश्वकर्मा के स्वागत वक्तव्य से कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया।

डॉ.दिनेश कुमार शर्मा जी के बीज वक्तव्य से तरंग संगोष्ठी चलायमान हुआ जिन्होंने अपने व्याख्यान में यह बताया कि तुलसी-साहित्य में निहित दायित्वबोध आज भी प्रासंगिक है। तदुपरांत प्रोफेसर डॉ.जंग बहादुर पांडेय"तारेश"जी ने यह बताया कि किस प्रकार तुलसी साहित्य में निहित सत्य और त्याग की गाथा को अपनाते हुए कोई भी मनुष्य,मनुष्यत्व से देवत्व की ओर प्रस्थान कर अपने जीवन को सफल बना सकता।

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से जुड़े प्रो.डॉ.शंभुनाथ तिवारी जी ने तुलसी साहित्य की प्रासंगिकता से संबंधित कुछ ऐसे तथ्य उजागर किए जिन्हें हम अंग्रेजी के ए.बी.सी के माध्यम से देख सकते हैं,उनके अनुसार किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण में ए-फॉर एटीट्यूड बि-फॉर बिहेवियर और सी-फॉर कैरेक्टर का समावेश होना चाहिए।इस विषय में शंभुनाथ जी ने सारगर्भित तथ्य के द्वारा तरंग संगोष्ठी को नई दिशा से अवगत कराया।तत्पश्चात प्रो.डॉ.सुनील कुमार द्विवेदी जी ने अपने व्याख्यान में तुलसी-साहित्य की पुनरव्याख्या की ओर ध्यान देते हुए हमें पारिवारिक,सामाजिक दायित्वबोध से रूबरू कराया और यह बताया कि तुलसी साहित्य में निहित पारिवारिक,सामाजिक व्यवस्था को हम प्रत्येक सदी में प्रासंगिक ही पाएंगे।सुदूर से जुड़ी प्रो.पुष्पिता अवस्थी जी की गरिमामय उपस्थिति से इस अंतर्राष्ट्रीय तरंग संगोष्ठी में चार चांद लग गया।अपने बचपन को श्रोताओं के समक्ष रखते हुए कहा कि बचपन से ही हमें प्रयासरत होना चाहिए।राम की कृपा प्रत्येक कार्य पर है।ईश्वरीय सत्ता के बीन कोई कार्य संपन्न नहीं होता।तथा इतिहास का नवीनतम रूप आना अति आवश्यक है।तुलसी-साहित्य प्रत्येक समय समाज पर प्रासंगिक बनी रहेगी चाहे वह भारत की भूमि हो या भारत से परे।

मंच का संचालन बिरसा मुंडा कॉलेज के हिंदी विभाग के राज्य अनुमोदित शिक्षक के पद पर आसीन गोबिंद कुमार यादव जी ने बड़ी तन्मयता के साथ संभाला।

इस संपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय तरंग संगोष्ठी की संयोजिका डॉ.सरिता विश्वकर्मा, सहायक प्राध्यापिका एवं विभागाध्यक्षा,हिंदी विभाग बिरसा मुंडा कॉलेज के द्वारा संयोजित तथा सह संयोजक के रूप में बिरसा मुंडा कॉलेज हिंदी विभाग के राज्य अनुमोदित शिक्षक श्री सुशील महतो जी द्वारा संपन्न हुआ।

इस संपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय तरंग संगोष्ठी के तकनीकी संयोजक प्रोफेसर नागेंद्र नारायण जी,लवली यूनिवर्सिटी, जालंधर,पंजाब के द्वारा किया गया।

देश और विदेश से असंख्य श्रोतागन जूम लिंक तथा यूट्यूब लाइव के साथ जुड़कर इस साहित्यिक-शैक्षणिक कार्य को संपन्नता और पूर्णता प्रदान किए।

आज भी इस वेबिनार को ऑनलाइन देखा जा रहा है।

लिंक इस प्रकार है :

https://www.youtube.com/live/CIYKXVij58Q?si=TtKMnqDrM_kzd2EZ

सधन्यवाद .

Sarita Vishwakarma.

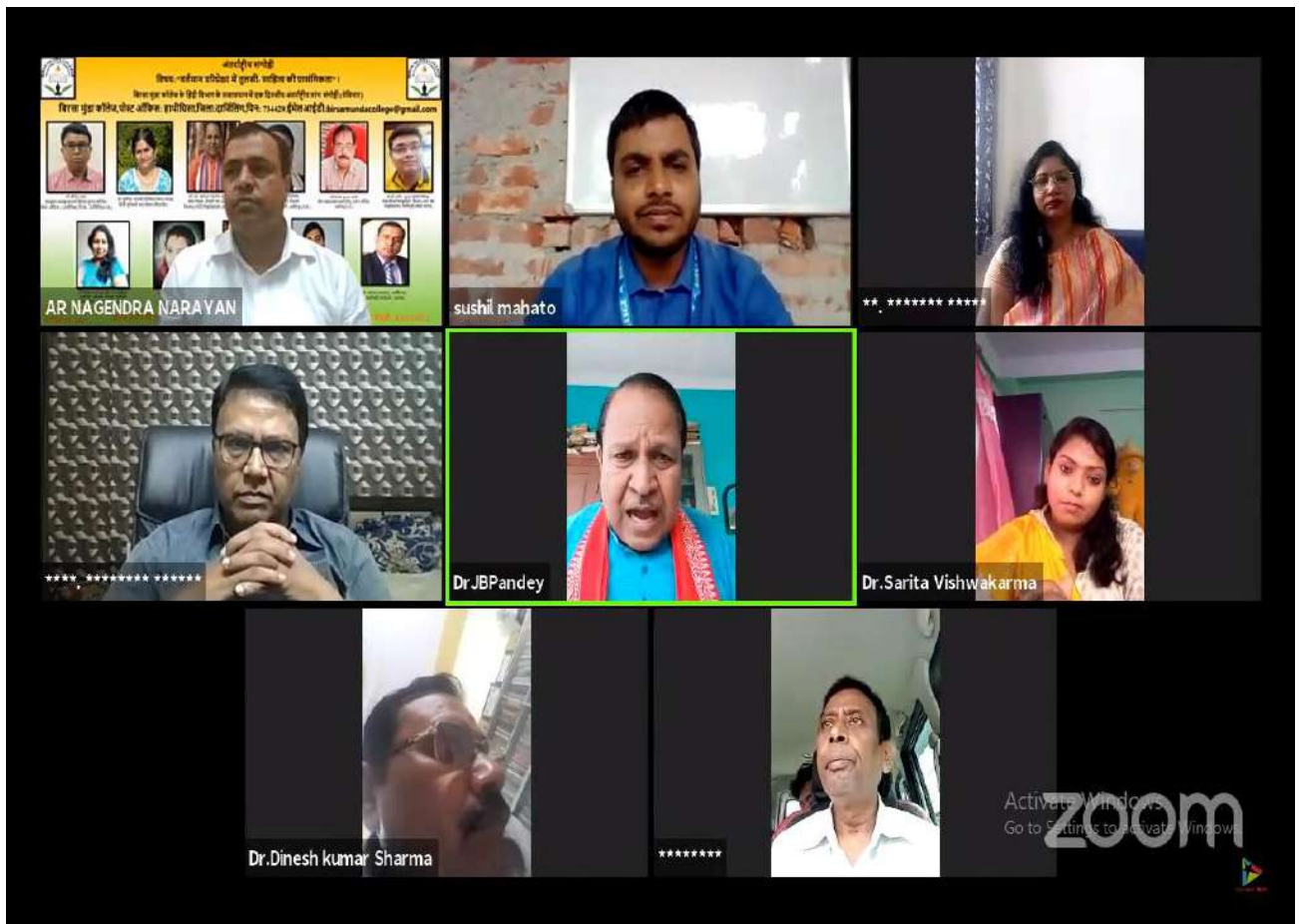
डॉ.सरिता विश्वकर्मा.

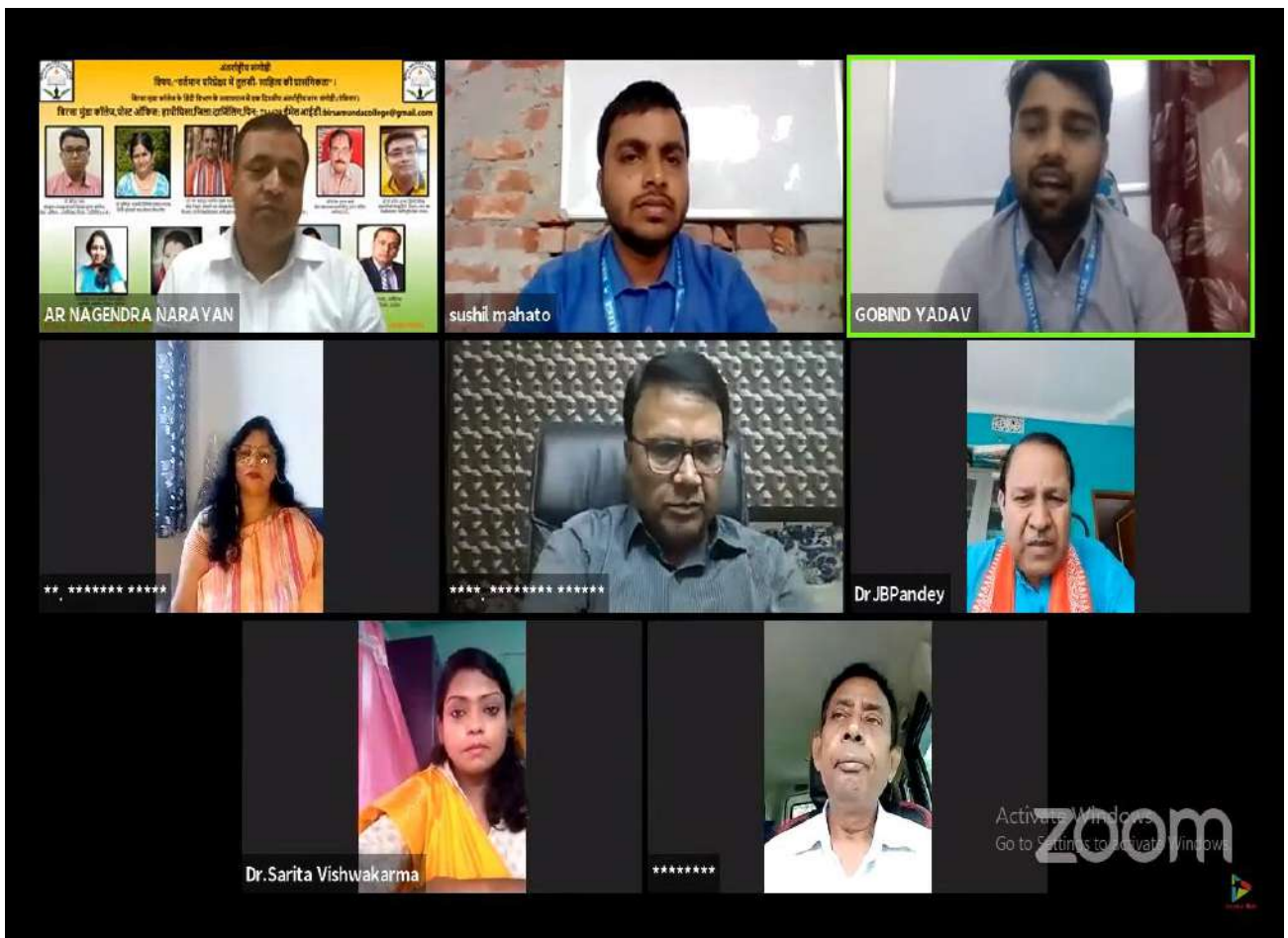
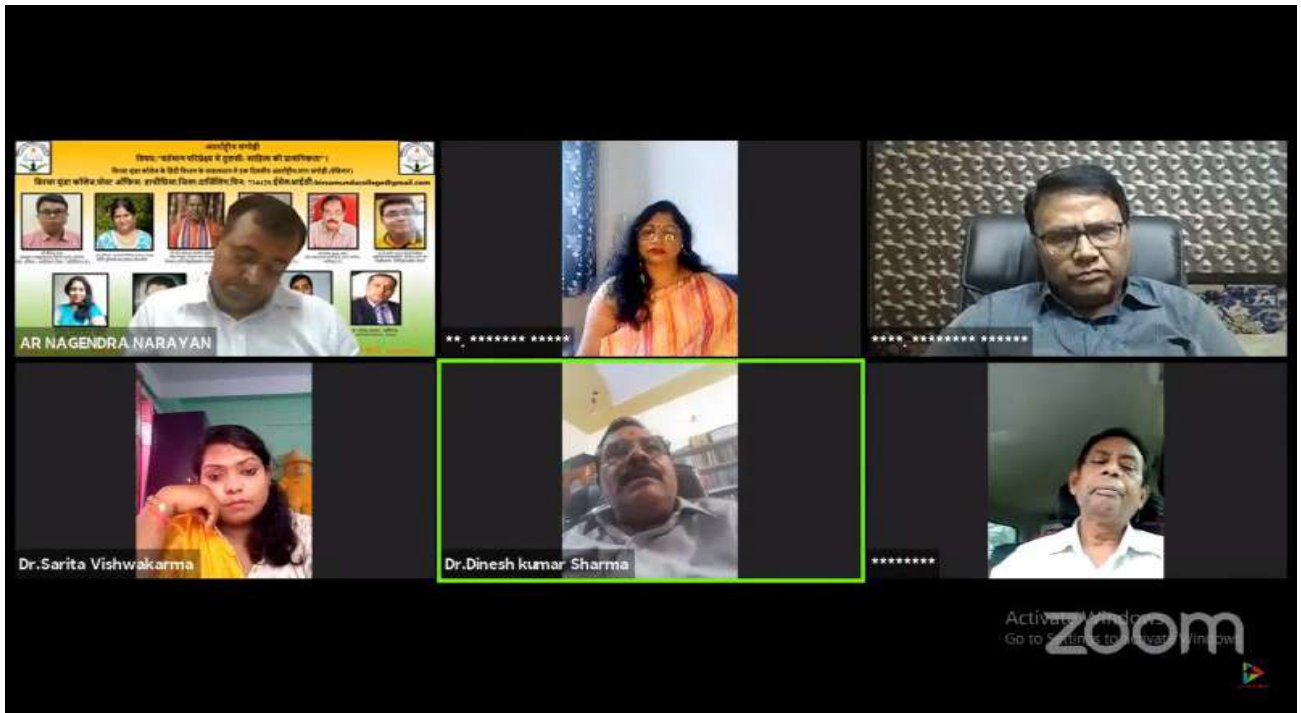
सहायक प्राध्यापिका.

विभागाध्यक्षा.

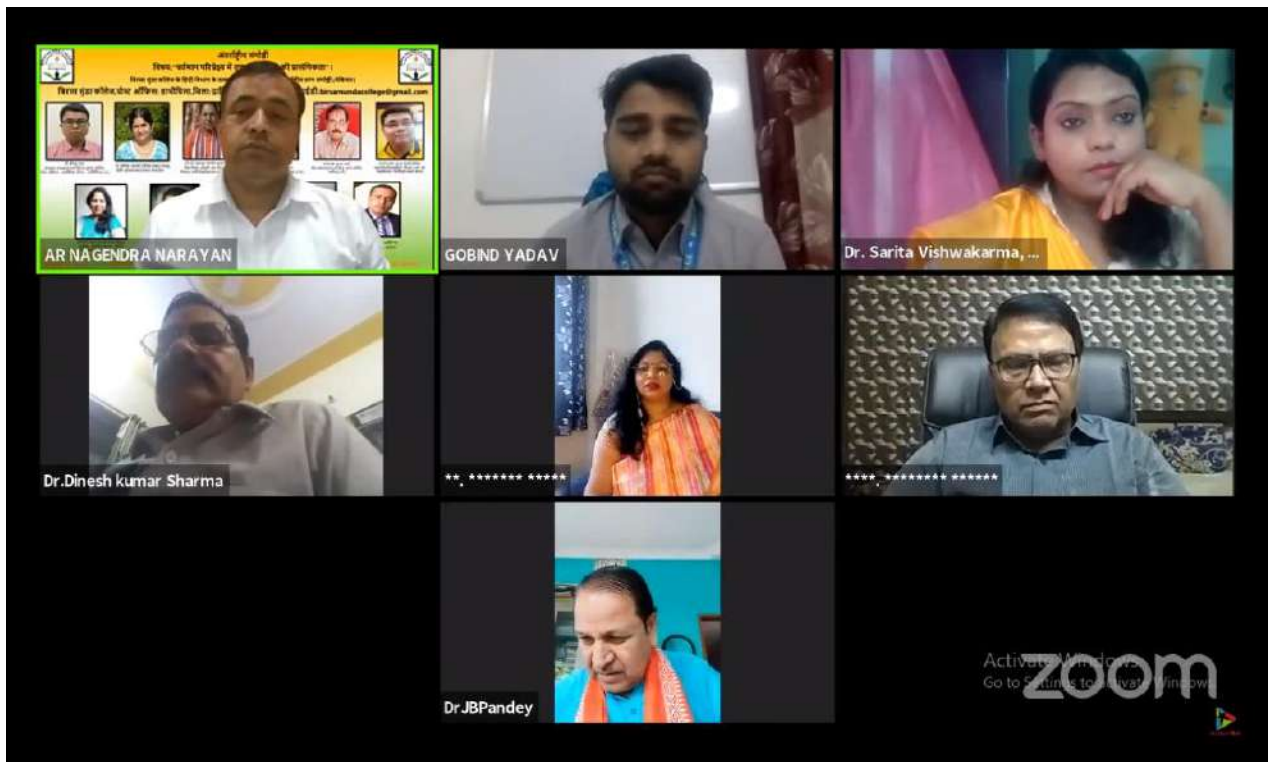
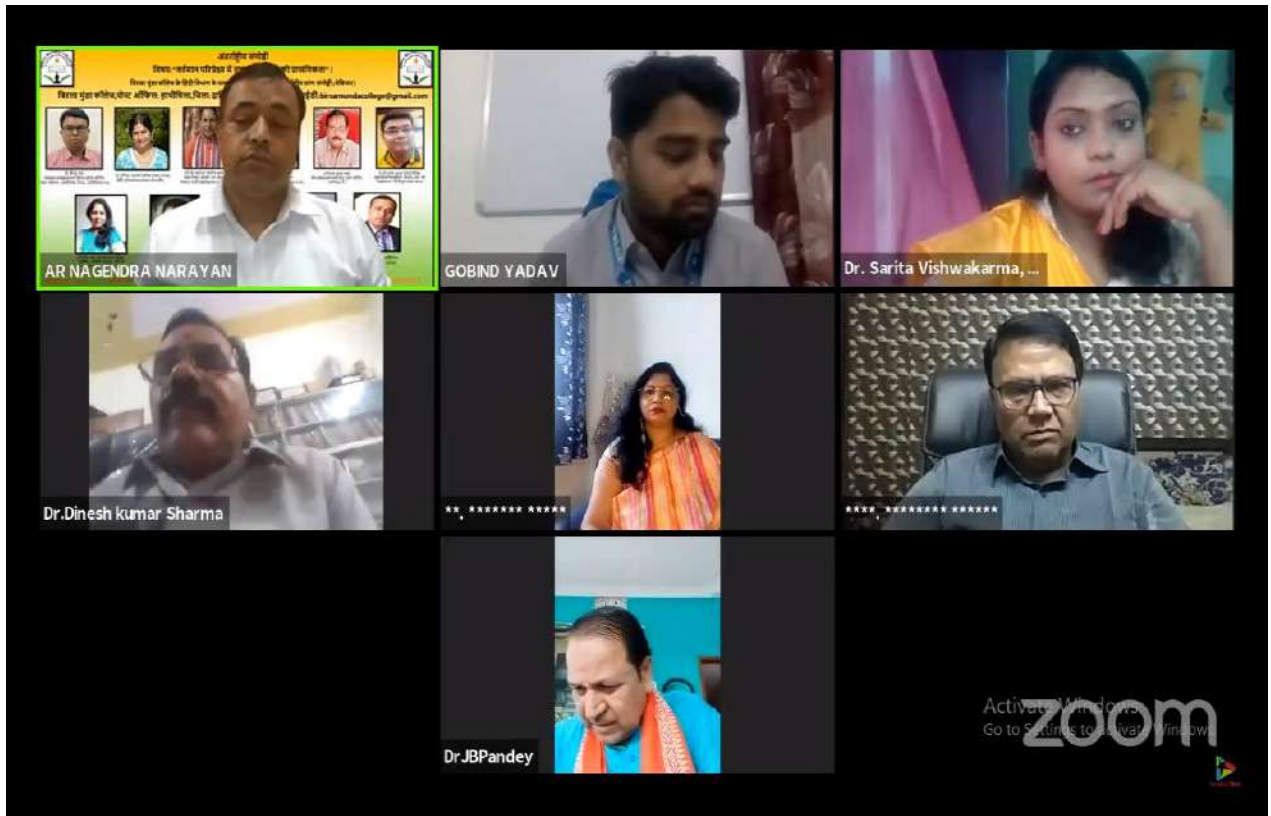
हिंदी विभाग.

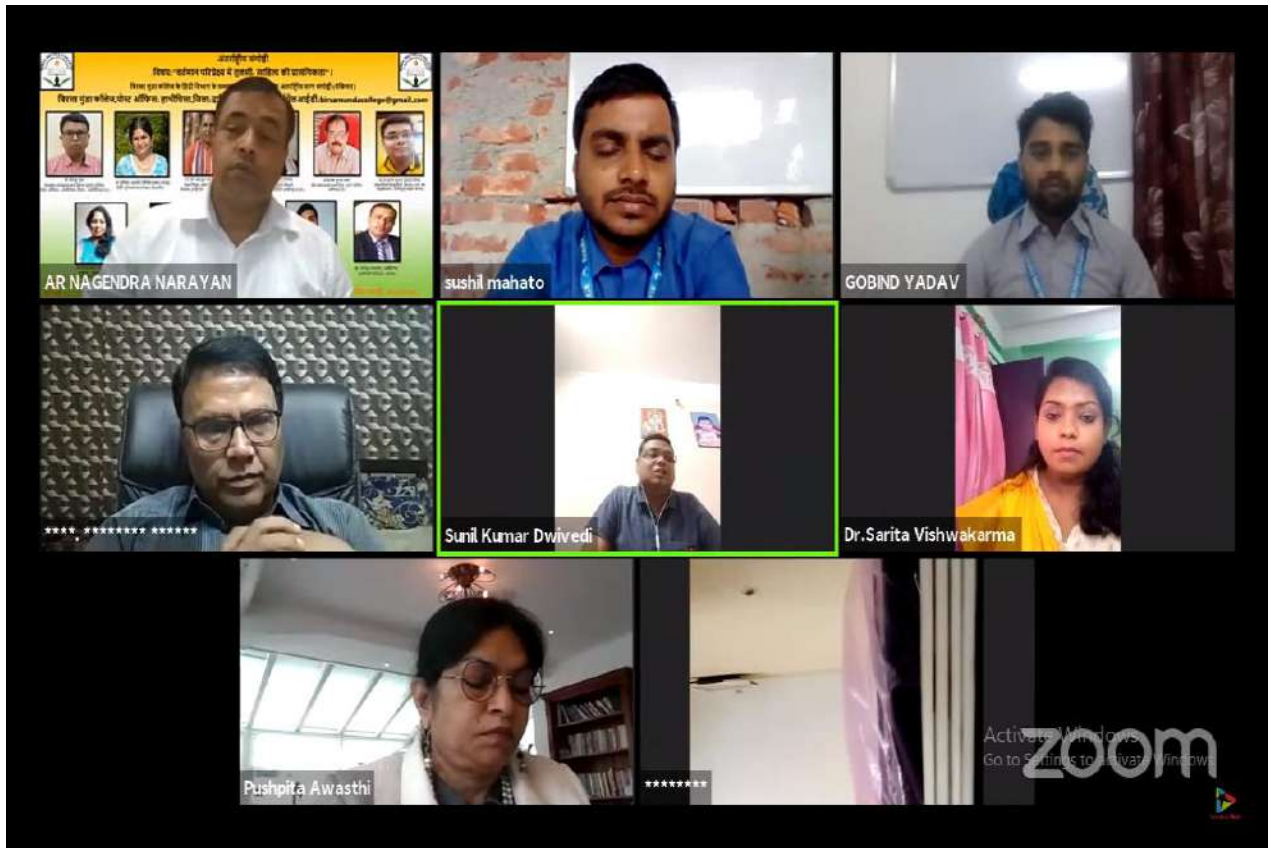
बिरसा मुंडा कॉलेज.











REPORT PREPARED BY DR. SARITA VISHWAKARMA.

ASSISTANT PROFESSOR & HEAD OF THE DEPARTMENT OF HINDI.

BIRSA MUNDA COLLEGE.

**** **** ****